ज्ञान विचार

जिस मेहनत से तू आज भाग रहा है कल वही तुझे सफलता दिलाएगी

गजब हरियाणा के 7वें स्थापना दिवस पर विशेषांक

P.K.L. No. HR/KKR/184/2022-24

सच्ची व सटीक खबर-आप तक

गजब हरियाणा

हिन्दी राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

सम्पादक : जरनैल सिंह

छाया : राजरानी

www.gajabharyana.com 08 जून 2025 (रविवार) अंक - 01 वर्ष - 01 पेज-4 मूल्य- 1 रुपए Email: gajabharyananews@gmail.com

स्वामी वीर सिंह हितकारी जी

श्री श्री 108 स्वामी ज्ञाननाथ निराकारी जी

गजब हरियाणा

राष्ट्रीय समाचार पत्र

के सातवें स्थापना दिवस पर

7 YEARS

सभी पाठकों, विज्ञापनदाताओं और शुभचिंतकों को बधाई

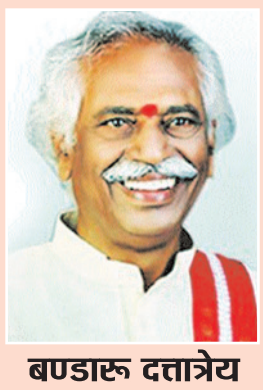

बण्डारू दत्तात्रेय
राज्यपाल हरियाणा

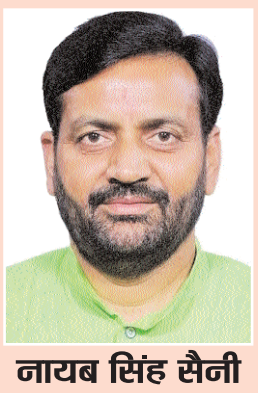

नायब सिंह सैनी
मुख्यमंत्री हरियाणा

कृष्ण पंवार
मंत्री, हरियाणा सरकार

कुमारी सैलजा
सांसद, सिरसा

नवीन जिंदल
सांसद कुरूक्षेत्र

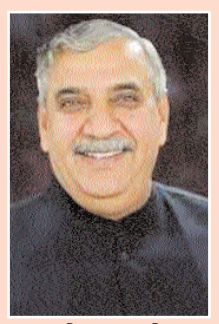

अशोक अरोड़ा
विधायक, थानेसर

रामकरण काला
विधायक, शाहबाद

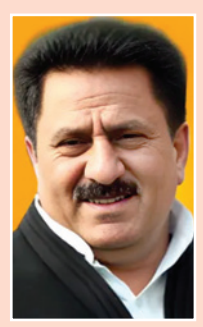

सुभाष सुधा
पूर्व मंत्री, हरियाणा

डॉ. बनवारी लाल
पूर्व मंत्री, हरियाणा

मेवा सिंह
पूर्व विधायक, लाडवा

सूरजभान कटारिया
पूर्व सदस्य, एनएसजेई भारत सरकार

डॉ. आर.आर. फूलिया
पूर्व एसीएस, पूर्व आईएएस

डॉ. अशोक तंवर
पूर्व सांसद, सिरसा

कैलाश सैनी
प्रतिनिधि, सीएम कार्यालय

नेहा सिंह
उपायुक्त, कुरूक्षेत्र

नीतिश अग्रवाल
एसपी कुरूक्षेत्र

अमन कुमार
एसडीएम कुरूक्षेत्र

डॉ. आर बी लांग्यान
पूर्व आई ए एस

रमेश कुमार फूले
अधीक्षक अभियंता(से.नि.)

एन.आर फूले
टीईटीसी झज्जर

जयप्रकाश गुरावा
पूर्व मैनेजर

बाबू राम तुषार, प्रधान
मीडिया वेलफेयर

वीरेन्द्र जटिया
समाजसेवी

7 YEARS

गजब हरियाणा राष्ट्रीय समाचार पत्र

की 7 वीं वर्षगांठ एवं दैनिक प्रकाशन के शुभारंभ पर गजब हरियाणा के संपादक डॉ. जरनैल सिंह रंगा और उनकी पूरी टीम को

हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई

N.R. PHULLAY
DEPUTY EXCISE AND TAXATION COMMISSIONAR

SUMAN PHULLAY
ADVOCATE

7 YEARS

गजब हरियाणा राष्ट्रीय समाचार पत्र

बनारसी दास
पूर्व बैंक अधिकारी एवं समाजसेवी

की 7 वीं वर्षगांठ एवं दैनिक प्रकाशन के शुभारंभ पर गजब हरियाणा के संपादक डॉ. जरनैल सिंह रंगा और उनकी पूरी टीम को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई

सुनीता कुमारी
कुरुक्षेत्र

अमृतबाणी

संत शिरोमणि सतगुरु रविदास जिओ की
मन का सुभाउ सभु कोई करें।। करता होई सु अनभै रहे।

जय गुरुदेव

व्याख्या श्री गुरू रविदास महाराज हैं पर जीव अपने मन को अपने वश कर लेता है। यह जीव संसार में बिना किसी भय के करता पुरुष के साथ एक रूप होकर जीवन में चलता है।

धन गुरदेव

संपादकीय.....

गजब हरियाणाः सात वर्षों की गौरवमयी यात्रा, अब दैनिक संकल्प के साथ एक नया प्रभात

आज का दिन, हरियाणा के समाचार परिदृश्य में एक ऐतिहासिक महत्व रखता है। यह वो दिन है जब गजब हरियाणा समाचार पत्र अपनी स्थापना के सात वर्ष पूरे कर रहा है। यह केवल एक वार्षिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि अथक परिश्रम, अटूट निष्ठा, सामाजिक सरोकार और पाठकों के प्रति अविचल प्रतिबद्धता का एक जीवंत प्रमाण है। कुरुक्षेत्र, हरियाणा से प्रकाशित यह पत्र, जिसने पिछले सात वर्षों में अनगिनत चुनौतियों का सामना किया और उन पर विजय पाई, आज एक नए युग में प्रवेश कर रहा है- दैनिक प्रकाशन के साथ।

गजब हरियाणा का सफर कभी आसान नहीं रहा। इन सात वर्षों में, इसने पत्रकारिता के मार्ग में आने वाली हर बाधा का सामना किया है। सबसे बड़ी चुनौती निस्संदेह कोरोना महामारी का वो भयावह दौर था, जब संचार और वितरण श्रृंखलाएं लगभग ठप हो चुकी थीं। ऐसे विकट समय में भी, गजब हरियाणा अपने शुभचिंतकों ङ्क पाठकों, पत्रकारों, विज्ञापनदाताओं और समाजसेवियों के अडिग सहयोग से निरंतर प्रकाशित होता रहा। यह घटना इस बात का स्पष्ट उदाहरण है कि कैसे एक समाचार पत्र, यदि वह अपने मूल मूल्यों और पाठकों के विश्वास पर खरा उतरे, तो सबसे कठिन परिस्थितियों को भी पार कर सकता है। यह केवल एक सूचना प्रदाता नहीं, बल्कि संकट में सहारा और उम्मीद की किरण भी बना।

गजब हरियाणा की एक अनूठी और सराहनीय पहल है, अपने स्थापना दिवस पर समाज के विभिन्न क्षेत्रों के दिग्गजों और उभरती प्रतिभाओं को सम्मानित करना। पिछले पाँच वर्षों से, गजब हरियाणा की सहयोगी संस्था ÷ सृष्टि एजुकेशनल चैरिटेबल ट्रस्ट (रजि.) ÷ के माध्यम से, यह सम्मान समारोह आयोजित किया जा रहा है। इस मंच पर पत्रकारों, पाठकों, विज्ञापनदाताओं और समाजसेवियों को उनके योगदान के लिए सराहा जाता है। विशेष रूप से, ग्रामीण क्षेत्र के स्कूलों में समय समय पर शिक्षा और खेलों के क्षेत्र में उत्कृष्ट स्थान पाने वाले छात्रों को मेडल, लेखन सामग्री और पाठ्य सामग्री देकर सम्मानित करना, समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की गजब हरियाणा की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह युवाओं को प्रोत्साहित करता है और उन्हें अपने सपनों को पूरा करने की प्रेरणा देता है। यह सम्मान समारोह केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि समुदाय के प्रति आभार और प्रोत्साहन का एक सशक्त माध्यम है।

गजब हरियाणा ने पिछले सात वर्षों में ज्ञान के प्रसार और सामाजिक जागरूकता बढ़ाने में अग्रणी भूमिका निभाई है। इसकी सामग्री की विविधता और गहराई इसे अन्य समाचार पत्रों से अलग बनाती है-

प्रेरणादायक जीवनियाँ: इसने गुरुओं, संतों, बलिदानी शूरवीरों और महापुरुषों की जीवनियों को प्रकाशित कर समाज को नैतिकता, साहस और राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा दी है। यह अतीत से जुड़कर भविष्य को आकार देने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

हरियाणा का दर्पण

समाचार पत्र ने हरियाणा के गठन से लेकर अब तक के राजनीतिक, सामाजिक इतिहास को विस्तार से प्रस्तुत किया है। यह राज्य की पहचान, उसकी जड़ों और विकास यात्रा को समझने का एक महत्वपूर्ण स्रोत बन गया है। सामान्य ज्ञान से जुड़ी सामग्री ने पाठकों के बौद्धिक क्षितिज को भी विस्तृत किया है।

कानूनी साक्षरता का बीड़ा: केंद्र सरकार द्वारा लाए गए तीन नए आपराधिक कानूनों ङ्क भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, भारतीय न्याय संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम ङ्क पर विस्तृत कवरेज प्रदान करना एक प्रशंसनीय कदम है। इन जटिल कानूनों को सरल और सुबोध भाषा में समझाकर, गजब हरियाणा ने नागरिकों को उनके कानूनी अधिकारों और दायित्वों के प्रति जागरूक किया है। भारतीय संविधान पर विस्तृत लेखों ने लोकतांत्रिक मूल्यों और नागरिक कर्तव्यों के प्रति गहरी समझ विकसित करने में मदद की है।

विचारोत्तेजक संपादकीय और लेख: निरंतर प्रकाशित होने वाले प्रभावशाली लेख और संपादकीय समकालीन मुद्दों पर गहन विश्लेषण और विभिन्न दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं। ये लेख समाज को सोचने, बहस करने और सही दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं।

सृष्टि एजुकेशनल चैरिटेबल ट्रस्ट सामाजिक सरोकारों का प्रतीक: गजब हरियाणा की सहयोगी संस्था, सृष्टि एजुकेशनल चैरिटेबल ट्रस्ट (रजि.), समाचार पत्र के सामाजिक सरोकारों का मूर्त रूप है। यह ट्रस्ट शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य सामाजिक उत्थान के कार्यक्रमों के माध्यम से समुदाय को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह साझेदारी दर्शाती है कि गजब हरियाणा केवल व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं, बल्कि सामूहिक कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है।

नया अध्याय, दैनिक प्रकाशन और स्मारिका का आगाज

आज का दिन गजब हरियाणा के इतिहास में एक और स्वर्णिम अध्याय की शुरुआत कर रहा है। आज से गजब हरियाणा का दैनिक प्रकाशन भी शुरू हो चुका है! यह एक बड़ा संकल्प है, जो पाठकों को हर दिन ताज़ा, विश्वसनीय और गहन जानकारी प्रदान करने की प्रतिबद्धता को मजबूत करता है। दैनिक प्रकाशन से इसकी पहुंच और प्रभाव में अभूतपूर्व वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त, गजब हरियाणा ने एक और महत्वपूर्ण घोषणा की है- इसी वर्ष से हर वर्ष एक स्मारिका का प्रकाशन किया जाएगा। इस स्मारिका के फ्रंट पेज का आगाज़ आज ही किया गया, और यह नवंबर माह के खास अवसर पर प्रकाशित हो जाएगी। यह स्मारिका गजब हरियाणा के 7 वर्ष के सफर और मुख्य संपर्क नंबर सहित महत्वपूर्ण घटनाओं, गहन विश्लेषण, और विशेष लेखों का एक संग्रहणीय दस्तावेज़ होगी, जो पाठकों के लिए एक मूल्यवान संदर्भ स्रोत बनेगी।

सात वर्षों का यह सफर गजब हरियाणा के लिए गौरव, दृढ़ता और समुदाय के प्रति समर्पण का प्रतीक है। यह केवल एक समाचार पत्र नहीं, बल्कि हरियाणा की आत्मा, उसकी आकांक्षाओं और उसकी आवाज़ का प्रतिनिधित्व करता है। चुनौतियों को अवसरों में बदलने की इसकी क्षमता, और समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलने का इसका दृष्टिकोण इसे एक अनूठा स्थान प्रदान करता है।

गजब हरियाणा के 7वें स्थापना दिवस पर

हम इस ऐतिहासिक अवसर पर उपस्थित सभी पत्रकार साथियों, पाठकों, विज्ञापनदाताओं, समाजसेवियों और शुभचिंतकों का हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं। हमें विश्वास है कि दैनिक प्रकाशन और वार्षिक स्मारिका के साथ, गजब हरियाणा भविष्य में भी सत्यनिष्ठ पत्रकारिता, सामाजिक न्याय और ज्ञान के प्रसार के मार्ग पर अग्रसर रहेगा, और हरियाणा के जन-जन के लिए एक विश्वसनीय साथी और प्रेरणास्रोत बना रहेगा। मैं एक बार फिर आप सभी गजब हरियाणा समाचार के शुभ चिंतकों का आभार व्यक्त करता हूं।

धन्यवाद
डॉ. जरनैल रंगा
मुख्य संपादक

गजब हरियाणा समाचार : एक स्वतंत्र पत्रकारिता की लौ

मीडिया की दुनिया में स्वतंत्र आवाज़ की ज़रूरत कोई नई बात नहीं है। इतिहास गवाह है कि जब भी किसी समुदाय या वर्ग की बात मुख्यधारा में नहीं सुनी गई, तो उन्होंने अपनी आवाज़ उठाने के लिए अपने मंच बनाए। ऐसा ही एक प्रेरक उदाहरण है ÷गजब हरियाणा समाचार÷ का जन्म, जिसकी कहानी एक ऐसे व्यक्ति की दृढ़ता और डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की पत्रकारिता की विरासत से प्रेरणा का परिणाम है।

डॉ. अम्बेडकर की दूरदृष्टि और मीडिया का महत्व

इस कहानी की शुरुआत 25 जून 2017 को कोटद्वार, पौड़ी गढ़वाल में होती है, जब सत्कारयोग दयानाथ निगम जी के संपादन में प्रकाशित पत्रिका ÷अंबेडकर इन इंडिया÷ में एक लेख पढ़ा जिसका शीर्षक था ÷दलितों की आवाज़ और स्वतंत्र मीडिया की आवश्यकता÷। इस लेख ने प्रकाश डाला कि कैसे डॉ. अम्बेडकर ने महसूस किया था कि बहुजनों की समस्याओं और अधिकारों को मुख्यधारा के मीडिया में पर्याप्त स्थान नहीं मिलता। उनकी दूरदृष्टि स्पष्ट थी- दलितों को संगठित करने और उनके अधिकारों के लिए आवाज़ उठाने के लिए उनका अपना स्वतंत्र मीडिया होना अत्यंत आवश्यक है।

लेख में डॉ. अम्बेडकर द्वारा शुरू किए गए पांच महत्वपूर्ण समाचार पत्रों का भी ज़िक्र था

मूकनायक www.gajabharyana.com (1920): यह 31 जनवरी, 1920 को शुरू हुआ उनका पहला अख़बार था।

बहिष्कृत भारत (1927)

जनता (1930)

आम्ही शासनकर्ती जमात बनणार (1940)

प्रबुद्ध भारत (1956)

यह जानकर और भी प्रेरणा मिली कि बाबा साहब पहले दो अख़बारों, मूकनायक और बहिष्कृत भारत, के संपादकीय प्रबंधन में सीधे तौर पर शामिल थे। 1930 के बाद उन्होंने यह काम अपने विश्वसनीय सहयोगियों जैसे देवराव नाइक, बीआर कादरेकर, जीएन सहस्त्रबुद्धे, आरडी भंडारे और बीसी कांबले को सौंपा। यह भी दिलचस्प था कि नाइक, कादरेकर और सहस्त्रबुद्धे दलित नहीं थे, जो डॉ. अम्बेडकर के समावेशी दृष्टिकोण को दर्शाता है।

एक नए अख़बार का संकल्प

डॉ. अम्बेडकर के इन प्रयासों और स्वतंत्र मीडिया की आवश्यकता को दर्शाने वाले इस लेख ने पढ़ने वाले के अंदर भी अपना समाचार पत्र शुरू करने की प्रबल लालसा जगाई। यह केवल एक इच्छा नहीं थी, बल्कि एक जिम्मेदारी का एहसास था कि अगर अपनी बात कहनी है, तो अपना मंच बनाना होगा।

चुनौतियों और समाधान की यात्रा

समाचार पत्र शुरू करने की लालसा तो थी, लेकिन इसे कैसे पंजीकृत कराया जाए, इसकी जानकारी नहीं थी। यह एक बड़ी चुनौती थी, और इसे पार करने के लिए जानकारी जुटाने की कवायद शुरू हुई। लगभग एक वर्ष की कड़ी जद्दोजहद और अथक प्रयासों के बाद, समाधान मिला। एक वर्ष के संघर्ष के बाद, संजीव बंसल से मुलाकात हुई, जिन्होंने ÷गजब हरियाणा समाचार÷ पत्र के पंजीकरण में अमूल्य मदद की।

गजब हरियाणा समाचार का उदय

संजीव बंसल के सहयोग से, अंततः 13 जून 2018 को गजब हरियाणा समाचार पत्र का टाइटल प्राप्त हुआ। यह सिर्फ एक कानूनी प्रक्रिया का पूरा होना नहीं था, बल्कि एक सपने का साकार होना था। इस दिन से, ÷गजब हरियाणा समाचार पत्र÷ का प्रकाशन शुरू हो गया, जिसने हरियाणा की आवाज़ बनने और स्वतंत्र पत्रकारिता की मशाल को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

÷गजब हरियाणा समाचार÷ का जन्म सिर्फ एक समाचार पत्र के लॉन्च की कहानी नहीं है, बल्कि यह प्रेरणा, दृढ़ता और सामाजिक न्याय के प्रति अटूट प्रतिबद्धता की कहानी है। यह दर्शाता है कि कैसे एक व्यक्ति, सही मार्गदर्शन और लगन के साथ, अपने समुदाय की आवाज़ बनने के सपने को हकीकत में बदल सकता है।

गजब हरियाणाः समाज सेवा और प्रोत्साहन का एक दशक

कुरुक्षेत्र(हरियाणा)। समाज सेवा, शिक्षा और सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में समर्पित ÷सृष्टि एजुकेशनल चैरिटेबल ट्रस्ट (रजि.) द्वारा प्रकाशित लोकप्रिय समाचार पत्र गजब हरियाणा ने 8 जून, 2025 को अपना वार्षिक स्थापना दिवस समारोह बड़े उत्साह और गरिमा के साथ मना रहा है। यह समारोह सिर्फ एक समाचार पत्र के स्थापना दिवस का उत्सव नहीं, बल्कि समाज के लिए निस्वार्थ भाव से कार्य कर रहे समाजसेवियों, शिक्षाविदों और खेल प्रतिभाओं को सम्मानित करने का एक मंच भी है।

÷गजब हरियाणा÷ ने जून 2021 में ट्रस्ट के तत्वावधान में अपना स्थापना दिवस मनाना शुरू किया। इसके बाद, वर्ष 2022 से, ट्रस्ट ने एक महत्वपूर्ण पहल की शुरुआत की, जिसके तहत असहाय बच्चों को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने, आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के बच्चों की बेहतर शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए विशेष सहयोगियों, तथागत गौतम बुद्ध, शिरोमणि सतगुरु रविदास जी, सतगुरु कबीर साहेब, ज्योतिबा फुले, सावित्री बाई फुले, वीरांगना झलकारी बाई के विचारों का प्रचार-प्रसार करने और समाज हित में उत्कृष्ट कार्य कर रहे समाजसेवियों को विभिन्न प्रतिष्ठित सम्मानों से नवाजना शुरू किया।

इन सम्मानों में शिरोमणि सतगुरु रविदास रत्न सम्मान, सतगुरु कबीर साहेब सम्मान, तथागत बुद्ध रत्न सम्मान, सामाजिक प्रतिष्ठा सम्मान, हरियाणा रत्न, हरियाणा गौरव, डॉ. अंबेडकर रत्न, डॉ. अंबेडकर शिक्षा रत्न, डॉ. अंबेडकर साहित्य रत्न सम्मान, डॉ अंबेडकर सेवाश्री सम्मान , सामाजिक उत्कृष्टता सम्मान, माता सावित्री बाई फुले सम्मान, वीरांगना झलकारी बाई सम्मान ,विशिष्ट समाज सेवा सम्मान, और विशिष्ट पत्रकारिता सम्मान प्रमुख हैं।

पूर्व में सम्मानित हस्तियाँ

इन वर्षों में, कई प्रख्यात हस्तियों को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया जा चुका है

शिरोमणि सतगुरु रविदास रत्न सम्मान

इस सम्मान से 2024 में स्वामी गुरदीपगिरी महाराज जी (गद्दी नशीन डेरा स्वामी जगतगिरी आश्रम, पठानकोट, पंजाब), 2023 श्री 108 संत निर्मल दास जी (डेरा बाबा लालदास कपाल मोचन, बिलासपुर, यमुनानगर, हरियाणा), और 2022 में सूरजभान नरवाल (पूर्व प्रधान गुरु रविदास मंदिर एवं धर्मशाला, कुरुक्षेत्र) को नवाजा जा चुका है।

संत शिरोमणि, दिव्य ज्ञान रत्न, श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर स्वामी ज्ञाननाथ महाराज जी एडवोकेट को दिव्य ज्ञान रत्न -2024 और सतगुरु कबीर साहेब सम्मान-2023 से नवाजा जा चुका है। स्वामी ज्ञाननाथ महाराज जी आज गजब हरियाणा के महत्वपूर्ण पद द्वारा मार्गदर्शक के रूप अपना आशीर्वाद देंगे।

डॉ. कृपा राम पुनिया (हरियाणा के पूर्व मंत्री और आईएएस (से.नि.)) को सामाजिक प्रतिष्ठा सम्मान-2023, और हरियाणा रत्न सम्मान- 2022 से सम्मानित किया गया है।

डॉ. पुनिया गजब हरियाणा के प्रेरणास्रोत भी हैं।

डॉ. राजरूप फुलिया आईएएस (से.नि.) (पूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव हरियाणा, ताऊ देवीलाल यूनिवर्सिटी सिरसा एवं गुरु जम्भेश्वर यूनिवर्सिटी हिसार के वाइस चांसलर) को भी सामाजिक प्रतिष्ठा सम्मान-2024, हरियाणा रत्न- 2023 और हरियाणा गौरव सम्मान-2022 से नवाजा जा चुका है। डॉ. फुलिया गजब हरियाणा के मार्गदर्शक मंडल में शामिल हैं।

मान्यवर एन.आर. फुले (उप आबकारी एवं कराधान आयुक्त) को हरियाणा रत्न-2024 और हरियाणा गौरव सम्मान - 2023 से सम्मानित किया गया है। मान्यवर फुले भी गजब हरियाणा के मार्गदर्शक मंडल में शामिल हैं।

डॉ. राम भक्त लांगयान आई.ए.एस (से.नि.) को डॉ. अंबेडकर रत्न 2024 से नवाजा जा चुका है।

लुधियाना के रेसलर सुल्तान सिंह, जिन्होंने दो साल पहले सीडब्ल्यूई में ब्लैक बेल्ट जीती थी, को वीर शिरोमणि एकलव्य सम्मान -2023 से नवाजा गया था।

गजब हरियाणा और सृष्टि एजुकेशनल चैरिटेबल ट्रस्ट, सम्मान समारोह

यह समारोह गजब हरियाणा समाचार पत्र और ÷सृष्टि एजुकेशनल चैरिटेबल ट्रस्ट (रजि.) की समाज के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित करके, यह ट्रस्ट न केवल उन्हें पहचान दिलाता है, बल्कि दूसरों को भी समाज सेवा और उत्थान के लिए प्रेरित करता है। गजब हरियाणा आशा करता है कि आने वाले वर्षों में भी वह इसी प्रकार समाज के लिए सकारात्मक बदलाव लाने में अपना योगदान देता रहेगा।

प्रकाश स्तंभ

गांव ढलौर की बेटी ने रचा इतिहास

भेदभाव और मार्गदर्शन के अभाव को हराकर डॉ. राजविंदर कौर बनीं अमेरिकी वैज्ञानिक

डॉ जरनैल सिंह रंगा

गाँव ढलौर जिला अम्बाला के एक साधारण परिवार में जन्मी डॉ. राजविंदर कौर का नाम आज देश-विदेश में हरियाणा और भारत का गौरव बढ़ा रहा है। चार बहनों में सबसे छोटी राजविंदर ने जातिगत पूर्वाग्रह, आर्थिक चुनौतियों और मार्गदर्शन के अभाव जैसी बाधाओं को अपनी मेहनत, लगन और बुलंद हौसले से ध्वस्त करते हुए अमेरिका में वैज्ञानिक के रूप में स्थापित होकर एक नया इतिहास रच दिया है।

प्रेरणा हरियाणवी

शुरुआती संघर्ष- सपनों को दबाने की कोशिशें

डॉ. कौर बचपन से ही पढ़ाई में तेज थीं और डॉक्टर बनने का सपना संजोए हुए थीं। परंतु, उनके स्कूली दिनों में उचित मार्गदर्शन के अभाव और एक विशेष जाति से ताल्लुक रखने के कारण उन्हें सहयोग नहीं मिला। यही वजह थी कि पीएमटी प्रवेश परीक्षा में वह कुछ ही अंकों से पीछे रह गईं। आर्थिक तंगी के चलते परिवार के पास प्राइवेट संस्थान में दाखिले का विकल्प भी नहीं था। परंतु, राजविंदर ने हार नहीं मानी।

शिक्षा में स्वयं रास्ता स्वयं बनाया

बी एससी बायोटेक्नोलॉजी (ऑनर्स): चंडीगढ़ के सरकारी कॉलेज से की।

एम एमएसी मार्गदर्शक की कमी के कारण राज्य से बाहर नहीं जा सकीं, लेकिन हिम्मत नहीं हारी। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक से स्नातकोत्तर की पढ़ाई पूरी की।

जेआरएफ(जेआरएफ) (जूनियर रिसर्च फेलोशिप): उत्कृष्ट रैंक हासिल की और उत्तर भारत के सबसे प्रतिष्ठित संस्थानों में शुमार सीएसआईआर-सूक्ष्मजीव प्रौद्योगिकी संस्थान (आईएमटेक), चंडीगढ़ (भारत सरकार का उपक्रम) में शोध कार्य का अवसर मिला। यहाँ उन्हें उम्मीद थी कि वे राष्ट्र व परिवार के लिए कुछ कर पाएंगी, लेकिन इस क्षेत्र में पारिवारिक पृष्ठभूमि या मार्गदर्शक न होने की वजह से फिर चुनौतियों का सामना करना पड़ा ।

पीएचडी: विषमताओं को मात देकर उत्कृष्टता

अपनी मेहनत के बल पर सीएसआईआर - आईआईसीटी हैदराबाद जो कि सीएसआईआर का प्रतिष्ठित संस्थान है में पीएचडी करने का मौका मिला। यहाँ भी जातिगत पूर्वाग्रह और मार्गदर्शन की कमी जैसी मुश्किलें आई।

परंतु, डॉ. कौर ने अपनी अदम्य इच्छाशक्ति, बुद्धिमत्ता, कार्यकुशलता और शालीन व्यवहार से न केवल इन चुनौतियों का सामना किया, बल्कि सम्मानजनक तरीके से अपनी पीएचडी पूरी की । डॉ कौर ने साबित किया वह हर क्षेत्र में अपना स्थान बना सकते हैं, और जहाँ अक्सर वही पहुँच पाते हैं जिनके परिवार में पहले से कोई वैज्ञानिक रहा हो ।

अमेरिका में पोस्टडॉक्टरल फेलोशिप, सपनों को नई उड़ान

पीएचडी पूरी होने से पहले ही उनकी प्रतिभा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली। उन्हें अमेरिका के एक प्रतिष्ठित संस्थान में ड्रग डिलीवरी के क्षेत्र में पोस्टडॉक्टरल फेलोशिप के लिए चुना गया। वर्तमान में वह वहाँ एक रिसर्च साइंटिस्ट के तौर पर काम कर रही हैं, जहाँ उनका शोध मानव स्वास्थ्य के लिए नई संभावनाएँ खोल रहा है। उनका अगला लक्ष्य विश्व स्वास्थ्य संगठन तक पहुँचना है।

बाबासाहेब और गुरु रविदास जी के सपनों को साकार करती बेटी

डॉ. राजविंदर कौर का संघर्षमयी सफर डॉ. भीमराव आंबेडकर के उस संदेश को चरितार्थ करता है जिसका उल्लेख में मिलता है: शिक्षित बनो, संगठित बनो और संघर्ष करो। डॉ. आंबेडकर ने स्वयं शिक्षा को ही मुक्ति का हथियार बनाया था और जीवन भर भेदभाव के खिलाफ संघर्ष किया। ठीक उसी तरह, डॉ. कौर ने शिक्षा और संघर्ष के बल पर अपनी मंजिल हासिल की है। उनकी सफलता गुरु रविदास द्वारा प्रतिपादित बेगमपुरा (वह स्थान जहाँ कोई भेदभाव न हो) के सपने को साकार करने की दिशा में एक मजबूत

कदम है। वे उन लाखों बेटियों के लिए प्रेरणा हैं जो सामाजिक और आर्थिक बाधाओं से जूझ रही हैं।

गजब हरियाणा के संपादक डॉ जरनैल सिंह ने कहा कि डॉ. राजविंदर कौर की यह अद्भुत यात्रा सिर्फ एक व्यक्तिगत सफलता की कहानी नहीं है; यह हर उस युवा के लिए प्रकाशस्तंभ है जो विषम परिस्थितियों से जूझ रहा है। यह साबित करती है कि दृढ़ संकल्प, अथक परिश्रम और आत्मविश्वास के सामने कोई भी बाधा टिक नहीं सकती। उनकी कहानी शिक्षा के महत्व और सही मौके मिलने पर भारतीय प्रतिभाओं के विश्वस्तरीय प्रदर्शन को रेखांकित करती है। डॉ. कौर ने न केवल अपने गाँव ढलौर और परिवार का नाम रोशन किया है, बल्कि पूरे हरियाणा और देश को गौरवान्वित किया है। उनकी भावी उपलब्धियों, विशेषकर डब्ल्यूएचओ तक की यात्रा की प्रतीक्षा पूरा प्रदेश करेगा। हरियाणा की यह बेटी सचमुच हरियाणवी तेज का जीवंत उदाहरण बन गई है।

हरियाणा के 10 जिलों में बनेगी इंटीग्रेटेड औद्योगिक टाउनशिप

गजब हरियाणा न्यूज/ डॉ जरनैल रंगा

चंडीगढ़। हरियाणा वासियों के लिए बड़ी खुशखबरी आई है। हरियाणा सरकार राज्य में औद्योगिक विकास को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए बड़े पैमाने पर योजना बना रही है। इसके तहत 10 जिलों में इंटीग्रेटेड औद्योगिक टाउनशिप विकसित की जाएंगी। यह योजना राज्य के प्रमुख एक्सप्रेसवे और राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे लागू की जाएगी जिससे उद्योगों को तेजी से बढ़ावा मिलेगा और रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

औद्योगिक टाउनशिप से होगा हरियाणा का कायाकल्प

हरियाणा के उद्योग मंत्री राव नरबीर सिंह ने बताया कि यह योजना तीन प्रमुख एक्सप्रेसवे–दिल्ली-कटरा नारनौल-अंबाला और डबवाली-पानीपत के किनारे विकसित की जाएगी। यह औद्योगिक टाउनशिप न केवल उत्पादन क्षमता को बढ़ाने में मदद करेंगी बल्कि लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन इंफ्रास्ट्रक्चर को भी मजबूत बनाएंगी।

सरकार ने इस योजना के लिए जिन 10 जिलों का चयन किया है वे भौगोलिक दृष्टि से रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण स्थानों पर स्थित हैं। इनमें गुरुग्राम हिसार (एयरपोर्ट के पास) सिरसा ग्रेटर फरीदाबाद (जेवर एयरपोर्ट के नजदीक) भिवानी नारनौल जींद कैथल और अंबाला शामिल हैं। ये स्थान इसलिए भी उपयुक्त माने गए हैं क्योंकि यहां परिवहन सुविधाएं पहले से मजबूत हैं और औद्योगिक निवेश के लिए बेहतर अवसर उपलब्ध हैं।

प्रमुख एक्सप्रेसवे और हाईवे के किनारे होगा विकास

इस परियोजना को राज्य में रणनीतिक रूप से लागू करने के लिए एक्सप्रेसवे और हाईवे किनारे औद्योगिक क्लस्टर विकसित किए जाएंगे। सरकार का मानना है कि एक्सप्रेसवे कनेक्टिविटी से निवेशकों को बेहतर परिवहन सुविधा मिलेगी जिससे उत्पादन और आपूर्ति दोनों में सुधार होगा।

दिल्ली-कटरा एक्सप्रेसवे- इस रूट पर बनने वाले औद्योगिक क्लस्टर उत्तर भारत के सबसे बड़े औद्योगिक केंद्रों में से एक होंगे। इससे खाद्य प्रसंस्करण ऑटोमोबाइल और टेक्सटाइल उद्योगों को लाभ मिलेगा।

नारनौल-अंबाला हाईवे- यह मार्ग औद्योगिक विकास के लिए आदर्श माना जाता है क्योंकि यह कई छोटे और मध्यम स्तर के उद्योगों के लिए एक महत्वपूर्ण व्यापार मार्ग है।

डबवाली-पानीपत हाईवे- इस क्षेत्र में पेट्रोकेमिकल फार्मास्युटिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योगों को बढ़ावा देने की योजना बनाई गई है।

गुरुग्राम और फरीदाबाद में अतिरिक्त विकास पर जोर

हरियाणा सरकार गुरुग्राम और फरीदाबाद को औद्योगिक रूप से और अधिक मजबूत बनाने पर ध्यान दे रही है। इन शहरों में पहले से ही औद्योगिक आधारभूत संरचना मौजूद है और इसे और बेहतर बनाने के लिए नए क्लस्टर विकसित किए जाएंगे। सरकार के अनुसार इन क्षेत्रों में टेक्नोलॉजी हब इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स और स्मार्ट सिटी मॉडल पर आधारित औद्योगिक क्षेत्र बनाए जाएंगे।

गुरुग्राम में ऑटोमोबाइल सेक्टर को और सशक्त करने के लिए नई योजनाएं बनाई जा रही हैं जबकि फरीदाबाद में भारी मशीनरी और इंजीनियरिंग उत्पादों के निर्माण को प्राथमिकता दी जाएगी।

नौकरी के नए अवसर और युवाओं को फायदा

इस योजना से लाखों युवाओं के लिए नए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। औद्योगिक टाउनशिप में बड़े पैमाने पर फैक्ट्रियों और उत्पादन इकाइयों की स्थापना होगी जिससे स्थानीय श्रमिकों और कुशल कामगारों के लिए नौकरी की संभावनाएं बढ़ेंगी।

हरियाणा के मुख्यमंत्री ने भी इस योजना को लेकर अपनी राय रखते हुए कहा कि राज्य में औद्योगिक विकास से न केवल आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा बल्कि हमारे युवाओं के लिए नए करियर ऑप्शन भी खुलेंगे। सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि स्थानीय लोगों को ज्यादा से ज्यादा रोजगार मिले।

इसके अलावा सरकार इस योजना में निजी क्षेत्र की भागीदारी को भी बढ़ावा दे रही है। कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कंपनियों ने इस परियोजना में निवेश करने में रुचि दिखाई है जिससे राज्य को और अधिक औद्योगिक ताकत मिलेगी।

नीति आयोग और सरकार के बीच बैठकें जारी

इस योजना को सफल बनाने के लिए नीति आयोग और हरियाणा सरकार के बीच कई दौर की बातचीत हो चुकी है। बैठकों में टाउनशिप के लिए संभावित स्थानों को अंतिम रूप दिया गया और साथ ही विभिन्न सेक्टरों की जरूरतों को भी ध्यान में रखा गया।

नीति आयोग के अधिकारियों ने बताया कि हरियाणा सरकार का यह कदम राज्य को औद्योगिक केंद्र के रूप में स्थापित करने में मील का पत्थर साबित होगा। इन टाउनशिप्स के विकास से प्रदेश में निवेशकों का विश्वास बढ़ेगा और उत्पादन क्षमता में भी भारी वृद्धि होगी।

इसके अलावा हरियाणा सरकार औद्योगिक निवेश को आकर्षित करने के लिए सिंगल विंडो क्लीयरेंस सिस्टम को और प्रभावी बना रही है जिससे निवेशकों को सभी आवश्यक मंजूरी एक ही जगह पर मिल सके।

हरियाणा सरकार की जनकल्याणकारी योजना: आपकी बेटी हमारी बेटी

आपकी बेटी हमारी बेटी हरियाणा राज्य सरकार की एक योजना है, जिसमें अनुसूचित जाति/बीपीएल परिवारों की पहली लड़की और किसी भी जाति से संबंधित परिवार की दूसरी लड़की के नाम पर भारतीय जीवन बीमा निगम एलआईसी में 21000 रुपये की राशि निवेश की जाती है। 18 वर्ष की आयु प्राप्त करने पर, लड़की को एक अस्थायी राशि का भुगतान किया जाएगा। 24.08.2015 से किसी भी जाति से संबंधित परिवारों में जन्मी तीसरी लड़की को भी कवर किया गया है। इस योजना का उद्देश्य राज्य में बाल लिंगानुपात में सुधार लाना, बालिकाओं का जीवन सुनिश्चित करना, उनका उचित स्वास्थ्य सुनिश्चित करना तथा उनकी शिक्षा को बढ़ावा देना है। प्रत्येक बालिका को जन्म लेने तथा अपनी क्षमता विकसित करने के लिए शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार है।

लाभ प्रदान किया गया

21000/- रुपये (एक बार भारतीय जीवन बीमा निगम में निवेश किया जाता है)। अब तक 460347 लाभार्थियों को कवर किया गया है। चालू वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान अक्टूबर, 2023 तक 35932 लाभार्थियों को कवर किया गया है। वर्ष 2023-24 के बजट में 26798.50 लाख रुपये की राशि प्रदान की गई है, जिसमें से नवंबर, 2023 तक 8805.56 लाख रुपये की राशि खर्च की जा चुकी है।

पात्रता मापदंड

योजना के अंतर्गत लाभार्थियों के लिए पात्रता मानदंड निम्नलिखित हैं-

सभी अनुसूचित जाति के परिवार, जिनकी पहली बालिका का जन्म 22 जनवरी, 2015 को या उसके बाद हुआ है, वे केवल इक्कीस हजार रुपये (21,000/- रुपये) की एकमुश्त अनुदान राशि प्राप्त करने के पात्र होंगे।

गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) जीवन यापन करने वाले सभी परिवार, जिनके यहां पहली बालिका का जन्म 22 जनवरी, 2015 को या उसके बाद हुआ है, वे केवल इक्कीस हजार रुपये (21,000/- रुपये) की एकमुश्त सहायता राशि प्राप्त करने के पात्र होंगे।

जिन परिवारों में दूसरी लड़की का जन्म 22 जनवरी, 2015 को या उसके बाद हुआ है, उन सभी को उनकी जाति, पंथ, धर्म, आय और बेटों की संख्या पर ध्यान दिए बिना इक्कीस हजार रुपये (21,000/- रुपये) की एकमुश्त सहायता राशि मिलेगी। यदि 22 जनवरी, 2015 को या उसके बाद जुड़वां/एक से अधिक लड़कियां पैदा होती हैं, तो पात्रता शर्तों को पूरा करने वाले किसी भी परिवार में प्रति बालिका इक्कीस हजार रुपये (21,000 रुपये) की एकमुश्त सहायता राशि दी जाएगी।

5ज़ जिन परिवारों में 21 जनवरी 2015 को या उससे पहले दूसरी लड़की का जन्म हुआ है, उन्हें उनकी जाति, पंथ, धर्म, आय और बेटों की संख्या पर ध्यान दिए बिना पांच साल तक प्रति वर्ष 5000 रुपये की राशि दी जाएगी। (यह उन मामलों के लिए लागू है जो लाडली योजना के तहत लाभ के लिए पात्र थे)। ऐसे मामलों में, जब 21 जनवरी, 2015 को या उससे पहले जुड़वां/एक से अधिक लड़कियां पैदा होती हैं, तो उन्हें उनकी जाति, पंथ, धर्म, आय और हरियाणा राज्य के किसी भी परिवार में पात्रता शर्तों को पूरा करने वाले बेटों की संख्या पर ध्यान दिए बिना पांच साल तक प्रति वर्ष प्रति बालिका 2500 रुपये दिए जाएंगे। (यह उन मामलों के लिए लागू है जो लाडली योजना के तहत लाभ के लिए पात्र थे)।

सभी माता-पिता हरियाणा के निवासी हों या हरियाणा के मूल निवासी हों तथा बालिका के साथ माता-पिता में से कम से कम एक हरियाणा में रहता हो। गर्भवती महिलाओं को नजदीकी आंगनवाड़ी केंद्र या स्वास्थ्य विभाग में पंजीकृत होना चाहिए। सभी बालिकाओं का जन्म पंजीकृत किया जाएगा।

बालिका के पास आधार नंबर होना चाहिए। हालाँकि नामांकन के समय माता-पिता का आधार नंबर भी स्वीकार किया जाता है। माता-पिता को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बालिकाओं का उचित और समय पर टीकाकरण हो तथा टीकाकरण रिकॉर्ड (बालिकाओं की आयु के अनुसार) आवेदन पत्र के साथ संलग्न किया जाना चाहिए। लाभार्थी को उनकी आयु के अनुसार आंगनवाड़ी केंद्र में नामांकित होना चाहिए।

आवश्यक दस्तावेज़

परिवार पहचान पत्र संख्या
आयु प्रमाण
जन्म प्रमाण पत्र
निवासी प्रमाण/पता प्रमाण/स्वामित्व प्रमाण (निम्न में से कोई भी):-
राशन कार्ड
मतदाता पहचान पत्र
बिजली बिल
टेलीफोन बिल
जाति प्रमाण पत्र (केवल अनुसूचित जाति के मामले में)
बीपीएल प्रमाण पत्र (केवल बीपीएल परिवार)
समय पर टीकाकरण के सत्यापन के लिए टीका रिपोर्ट/टीकाकरण कार्ड

आवेदन कैसे करें

लिंक https://saral-haryana.gov.in/ पर क्लिक करें
नया उपयोगकर्ता यहां पंजीकरण करें पर क्लिक करें। अपना मूल विवरण भरें। आवेदन करने के लिए लॉगिन करें।

सेवा के लिए शुल्क

सरकारी शुल्क- कोई शुल्क नहीं
सर्विस चार्ज-10 रुपये
अटल सेवा केंद्र सर्विस चार्ज- 10 रुपये
इस योजना के लिए आरटीएस समय सीमा 30 दिन है।
किसी भी पूछताछ के लिए
हेल्पलाइन- 0172-3968400
ई मेल - saral.haryana@gov.in

बुद्ध वृक्ष को नमन क्यों किया? सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला: संपत्ति के मालिकाना हक के लिए केवल रजिस्ट्री ही वैध, पावर ऑफ अटॉर्नी और एग्रीमेंट टू सेल नहीं

एक बार महात्मा बुद्ध एक वृक्ष को ऐसे नमन कर रहे थे जैसे वह उनका गुरु हो या कोई महत्वपूर्ण व्यक्ति। दूर खड़ा उनका एक शिष्य यह सब देख रहा था। उसे गौतम बुद्ध जैसे ज्ञानी को पेड़ के सामने झुकते देख बहुत हैरानी हो रही थी। वह बुद्ध के पास गया और पूछा, भगवन- आपने इस वृक्ष को नमन क्यों किया? शिष्य का सवाल सुन बुद्ध ने कहा- क्या इस वृक्ष को नमन करने से कुछ अनहोनी हो गई? शिष्य बोला-नहीं भगवन-ऐसी बात नहीं है लेकिन मेरे लिए यह हैरानी की बात है कि आप जैसा ज्ञानी महापुरुष इस वृक्ष को नमस्कार कर रहा है। यह एक साधारण वृक्ष है। यह न तो आपकी किसी बात पर प्रतिक्रिया दे सकता है और न ही आप जैसे ज्ञानी का सानिध्य पाकर या आपके नमन करने पर अपनी प्रसन्नता जाहिर कर सकता है।

बुद्ध ने मुस्कुराकर जवाब दिया- वत्स! तुम्हारा सोचना पूर्णत- गलत है। वृक्ष भले मेरी-तुम्हारी तरह बोलकर उत्तर नहीं दे सकता है लेकिन जिस प्रकार प्रत्येक व्यक्ति की एक भाषा होती है, उसी प्रकार प्रकृति की भी अपनी भाषा होती है। वृक्ष में भी प्राण हैं। वह भी सजग और सजीव है। वृक्ष के नीचे बैठकर ही मैंने वर्षों साधना की है। वृक्ष की घनी पत्तियों ने मुझे शीतलता प्रदान की, चिलचिलाती धूप और वर्षा से मेरा

बचाव किया। प्रत्येक पल पेड़ ने मेरी सुरक्षा की। पेड़ के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना मेरा परम कर्तव्य है। बात सिर्फ मेरी या इस पेड़ की नहीं है बल्कि पृथ्वी पर मौजूद प्रत्येक जीव को प्रकृति का कृतज्ञ होना चाहिए। यह मेरे धन्यवाद का जवाब बड़ी ही खूबसूरती से दे रहा है आगे बुद्ध ने कहा-तुम इस वृक्ष को ध्यान से देखो। इसकी हिलती हुई टहनियों को देखो, इसके हिलते हुए पत्तों को देखो। क्या तुम्हें नहीं लग रहा कि यह मेरे धन्यवाद का जवाब बड़ी ही खूबसूरती से दे रहा है और अपनी भाषा में मुझसे बात करने की कोशिश कर रहा है। बुद्ध की बात पर शिष्य ने वृक्ष को नए नजरिए से देखा और महसूस किया कि वाकई में उस वृक्ष की पत्तियां, शाखाएं, फूल झूम-झूमकर कुछ कहने की कोशिश कर रही हैं। अब शिष्य को भी वृक्ष के प्रति कृतज्ञता महसूस हुई और वह भी सम्मान में उसके आगे झुक गया।

नई दिल्ली। भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने संपत्ति खरीदने और बेचने के मामलों में एक महत्वपूर्ण और दूरगामी फैसला सुनाया है, जिसने संपत्ति के मालिकाना हक से जुड़ी कई दशकों से चली आ रही भ्रांतियों को दूर कर दिया है। इस फैसले के अनुसार, अब किसी भी अचल संपत्ति का वैध हस्तांतरण तभी माना जाएगा जब वह विधिवत रजिस्टर्ड दस्तावेजों के माध्यम से किया गया हो। केवल पावर ऑफ अटॉर्नी, एग्रीमेंट टू सेल या हलफनामे के आधार पर खुद को संपत्ति का मालिक मानना अब पूरी तरह से गलत होगा। यह निर्णय भविष्य में संपत्ति से जुड़े सभी विवादों के लिए एक कानूनी मार्गदर्शक के रूप में काम करेगा, जिससे संपत्ति के लेन-देन में पारदर्शिता और सुरक्षा बढ़ेगी।

मामले की पृष्ठभूमि: दो भाइयों के बीच संपत्ति विवाद

यह ऐतिहासिक फैसला दो भाइयों के बीच चल रहे एक संपत्ति विवाद के संबंध में आया है। इस मामले में, एक भाई का दावा था कि उसे संबंधित संपत्ति उपहार में मिली थी और वह कई वर्षों से उस घर में रह रहा था। वहीं, दूसरे भाई ने पावर ऑफ अटॉर्नी, एक हलफनामे और एग्रीमेंट टू सेल जैसे दस्तावेजों के आधार पर यह दावा किया कि संपत्ति वास्तव में उसकी है। यह मामला जब निचली अदालतों से होते हुए सुप्रीम कोर्ट पहुंचा, तो शीर्ष अदालत ने इस पर एक स्पष्ट और सख्त रुख अपनाया, जिससे संपत्ति कानून की दिशा में एक नया अध्याय जुड़ गया।

सुप्रीम कोर्ट का साफ संदेश: रजिस्ट्री ही अंतिम प्रमाण

सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में स्पष्ट रूप से कहा कि भारत में कोई भी अचल संपत्ति (जैसे घर, जमीन आदि) केवल तभी कानूनी रूप से हस्तांतरित मानी जाएगी, जब वह %रजिस्टर्ड दस्तावेजों% के जरिए की

गई हो। कोर्ट ने इस बात पर जोर दिया कि भारतीय रजिस्ट्रेशन एक्ट, 1908 (Registration Act, 1908) के तहत केवल रजिस्ट्री करवाने से ही किसी संपत्ति पर वैध और कानूनी मालिकाना हक प्राप्त होता है।

पावर ऑफ अटॉर्नी और सेल एग्रीमेंट से नहीं बनते मालिक

लोगों में एक आम गलतफहमी है कि यदि उनके पास पावर ऑफ अटॉर्नी (मुख्तारनामा) या एग्रीमेंट टू सेल (विक्रय समझौता) है, तो वे उस संपत्ति के मालिक बन जाते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इस भ्रांति को दूर करते हुए इन दस्तावेजों की कानूनी स्थिति को स्पष्ट किया-

पावर ऑफ अटॉर्नी: कोर्ट ने कहा कि पावर ऑफ अटॉर्नी केवल किसी व्यक्ति को किसी और की ओर से कार्य करने का अधिकार देती है, जैसे कि किसी संपत्ति की बिक्री या अन्य कानूनी प्रक्रियाओं को पूरा करना। हालांकि, यह दस्तावेज अपने आप में संपत्ति पर मालिकाना हक का प्रमाण नहीं देता है।

एग्रीमेंट टू सेल: शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि एग्रीमेंट टू सेल केवल भविष्य में संपत्ति की बिक्री का एक %वादा% है, जो क्रेता और विक्रेता के बीच एक अनुबंध है। यह स्वयं में मालिकाना हक का प्रमाण नहीं है और संपत्ति का वास्तविक हस्तांतरण तभी होता है जब विक्रय विलेख (Sale Deed) की रजिस्ट्री करवाई जाए।

रजिस्ट्री क्यों है जरूरी? कानूनी वैधता और सुरक्षा का आधार

रजिस्ट्री एक ऐसी महत्वपूर्ण कानूनी प्रक्रिया है जिसके तहत संपत्ति की बिक्री या हस्तांतरण को सरकार के आधिकारिक रिकॉर्ड में दर्ज किया जाता है। इस प्रक्रिया में स्टाम्प ड्यूटी और रजिस्ट्रेशन फीस का भुगतान करना अनिवार्य होता है, जिससे दस्तावेज को कानूनी मान्यता और वैधता प्राप्त होती है।

कानूनी मान्यता- रजिस्ट्री के बिना संपत्ति पर दावा करना कानूनी रूप से अवैध माना जाएगा।

विवादों से सुरक्षा- भविष्य में किसी भी विवाद की स्थिति में, केवल रजिस्टर्ड दस्तावेज को ही अदालत में निर्णायक और वैध प्रमाण के रूप में मान्यता मिलेगी। यह क्रेता और विक्रेता दोनों के अधिकारों की रक्षा करता है।

सार्वजनिक रिकॉर्ड- रजिस्ट्री से संपत्ति का विवरण सार्वजनिक रिकॉर्ड में दर्ज हो जाता है, जिससे धोखाधड़ी की संभावना कम होती है और संपत्ति के स्वामित्व की जांच करना आसान हो जाता है।

संपत्ति खरीदते समय रखें ये सावधानियां- अब और भी महत्वपूर्ण

सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से यह बात स्पष्ट हो गई है कि बिना रजिस्ट्री के कोई भी संपत्ति का असली मालिक नहीं बन सकता। इसलिए, संपत्ति खरीदने या बेचने से पहले निम्नलिखित सावधानियों का पालन करना अत्यंत आवश्यक है-

हमेशा रजिस्ट्री वाले दस्तावेज चेक करें- सुनिश्चित करें कि संपत्ति का विक्रय विलेख (Sale Deed) विधिवत रजिस्टर्ड हो।

सिर्फ पावर ऑफ अटॉर्नी या सेल एग्रीमेंट के भरोसे प्रॉपर्टी न खरीदें- इन दस्तावेजों को केवल प्रारंभिक समझौता या प्रतिनिधि अधिकार के रूप में देखें, न कि मालिकाना हक के प्रमाण के रूप में।

विशेषज्ञ की सलाह: किसी भी प्रॉपर्टी डील से पहले एक योग्य वकील से सलाह लें और सभी दस्तावेजों की वैधता की पुष्टि अवश्य करें। वकील आपको संपत्ति के इतिहास, मालिक के अधिकारों और किसी भी संभावित कानूनी जोखिम के बारे में मार्गदर्शन कर सकता है।

निष्कर्ष: करोड़ों लोगों के लिए एक सबक और कानूनी स्पष्टता

सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला उन लाखों लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण सबक है जो बिना रजिस्ट्री के प्रॉपर्टी खरीदने या बेचने की सोचते हैं। यह निर्णय संपत्ति कानून के क्षेत्र में एक मील का पत्थर है, जिसने संपत्ति के मालिकाना हक को लेकर चली आ रही अनिश्चितताओं को समाप्त कर दिया है। अब यह कानूनी रूप से स्पष्ट हो गया है कि अचल संपत्ति पर वैध अधिकार तभी मिलेगा जब उसका विधिवत रजिस्ट्रेशन (रजिस्ट्री) किया गया हो। पावर ऑफ अटॉर्नी और अन्य अनरजिस्टर्ड दस्तावेजों के आधार पर मालिकाना हक का दावा अब कानूनी रूप से मान्य नहीं होगा। यह फैसला संपत्ति के लेन-देन को अधिक सुरक्षित, पारदर्शी और कानूनी रूप से मजबूत बनाएगा।

अनिद्रा कोई बीमारी नहीं है.. ओशो

अनिद्रा एक जीवनशैली है। प्रकृति की ओर से मनुष्य को इस प्रकार बनाया गया है कि वह कम से कम आठ घंटे कड़ा श्रम करे। जब तक वह आठ घंटे कड़ा श्रम नहीं करता, तब तक सोने का अधिकार अर्जित नहीं करता और जैसे-जैसे कोई समाज समृद्ध होने लगता है, लोग ज्यादा मेहनत नहीं करते। उनके लिए काम करने की जरूरत नहीं रह जाती, उनका काम दूसरे कर देते हैं। ये लोग सारा दिन ऐसे छोटे-मोटे काम करते हैं जिनको करने में इन्हें मजा आता है, लेकिन ये छोटे-मोटे काम उस तरह का कड़ा श्रम नहीं होते जैसा किसी लकड़हारे को या पत्थर तोड़ने वाले को करना पड़ता है। मनुष्य शरीर इस प्रकार से बना है कि आठ घंटे के कड़े श्रम के बाद उसे स्वभावतः नींद आ जाए, ताकि ऊर्जा फिर से ताजी हो सके, लेकिन जिसने बहुत धन कमा लिया हो उसे भी यदि आठ घंटे लकड़ी काटना पड़े तो वह कहेगा कि फिर इतने धन का क्या लाभ लकड़ी ही काटनी थी तो वह बिना लखपति बने भी काटी जा सकती थी। तो यदि अमेरिका में पाँच करोड़ लोग अनिद्रा के रोग से पीड़ित हैं, तो इसका इतना ही अर्थ है कि वे सो पाने का अधिकार अर्जित नहीं कर रहे। वे ऐसी परिस्थिति पैदा कर रहे हैं, जिसमें नींद अपने आप आ सके। गरीब देशों में तुम्हें इतने लोग अनिद्रा से पीड़ित नहीं मिलेंगे। यह बात तो सदियों से सबको पता है कि भिखारियों को सम्राटों से बेहतर नींद आती है। शरीर का काम करने वाले बुद्धिजीवियों से ज्यादा अच्छी तरह सो लेते हैं। गरीबों की नींद अमीरों से ज्यादा गहरी होती है क्योंकि उन्हें अपनी रोजी-रोटी कमाने के लिए कड़ी मेहनत करना पड़ती है, और इस कड़ी मेहनत के साथ ही साथ वे अपनी नींद का अधिकार भी कमा लेते हैं।

वास्तव में क्या होता हैः सारा दिन तुम आराम करते हो, फिर रात बिस्तर में करवटें बदलते हो। इतना ही व्यायाम तुम्हारे लिए बाकी बचा है। और वह भी तुम करना नहीं चाहते। जितनी करवटें बदल सकते हो, बदलो। अगर पूरा दिन तुमने आराम किया है तो रात को नींद नहीं आ सकती। तुम्हारा शरीर पहले ही आराम ले चुका है। जो लोग अनिद्रा के शिकार हैं, वे यदि सच ही उससे छुटकारा पाना चाहते हैं, तो उन्हें इसे बीमारी नहीं मानना चाहिए। डॉक्टर के पास जाने से कुछ भी न होगा। उन्हें चाहिए कि वे अपने बगीचे में काम करें, कुछ मेहनत करें और नींद लाने की कोशिश न करें- वह अपने आप आती है। नींद तुम ला नहीं सकते, वह अपने आप आती है।

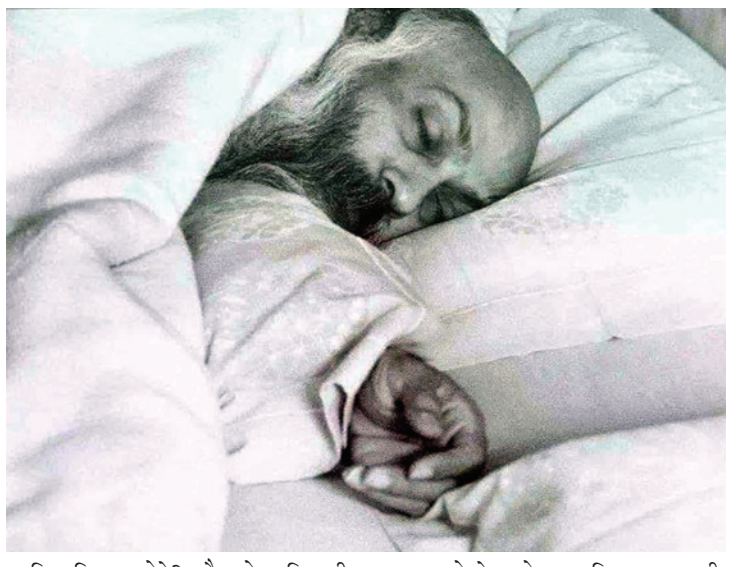

कठिनाई यह है, प्रकृति ने तो यह कभी चाहा नहीं कि तुम लोग संसार की सारी संपत्ति इकट्ठी कर लो और बाकी लोग गरीब रहें। प्रकृति के इरादे तो यही थे कि हर व्यक्ति काम करे। प्रकृति ने कभी अमीर और गरीब की वर्ग व्यवस्था नहीं चाही थी। यह संभव है कि लोगों के काम अलग-अलग ढंग के हों। यदि तुम पूरा दिन चित्र बनाते रहे हो तो उससे भी नींद आ जाएगी। या फिर नकली व्यायाम खोजो- जिम जाओ, दौड़ लगाओ। लेकिन ये बेकार के व्यायाम हैं- जब तुम लकड़ी काट सकते हो, जो किसी काम आएगी, तो फिर दौड़ क्यों लगाते हो? तुम्हारे बगीचे पर कोई और आदमी काम कर रहा है, और वह आराम की नींद सोता है। तुम उसे उसके काम के लिए पैसे देते हो और वह मजे से सोता है। तुम दौड़ लगाने जाते हो, कोई तुम्हें उसके पैसे भी नहीं देता; और न तुम्हें आराम से नींद आती है। दौड़ भी तुम आखिर कितना लोगे? और जो व्यक्ति पूरी रात न सोया हो उसे सुबह दौड़ने का मन भी नहीं करेगा, क्योंकि रातभर तो वह जरा-सी नींद के लिए संघर्ष करता रहा है। पूरी रात करवटें बदल-बदलकर सुबह जरा-सी तो आँख लग पाती है- और उस समय उससे कहा जाता है कि वह दौड़ लगाए, जॉगिंग करे! अनिद्रा की गिनती बीमारियों में नहीं करनी चाहिए। लोगों को बस इतना बोध दिलवा देना चाहिए कि तुम शरीर की स्वाभाविक जरूरतों को पूरा नहीं कर रहे हो। लोग तैर सकते हैं, टेनिस खेल सकते हैं, लेकिन ये सब चीजें आठ घंटे के कड़े श्रम की विकल्प नहीं हैं। मनुष्य बुनियादी रूप से शिकारी था- तब उसके पास मशीनगनें नहीं थीं, तीर-कमान थे- जानवरों के पीछे उसे दौड़ना पड़ता था। और यह पक्का नहीं होता था कि हर रोज उसे भोजन मिल जाएगा। पूरा दिन वह जानवरों के पीछे दौड़ता था और अकसर तो ऐसा होता था कि वह एक भी शिकार न पकड़ पाए, बुरी तरह थके हुए, खाली हाथ उसे घर लौट आना पड़ता था। तुम्हारा शरीर अभी भी तुमसे उसी श्रम की माँग कर रहा है। यह तुम्हारा चुनाव है कि वह श्रम तुम किस प्रकार करना चाहते हो; फिर अनिद्रा अपने आप ही दूर हो जाएगी। उन पाँच करोड़ अनिद्रा-पीड़ितों को किसी सहानुभूति की जरूरत नहीं है। उनसे सीधे-सीधे कह दिया जाना चाहिए कि तुम्हारा जीने का ढंग गलत है। इस ढंग को बदलो या फिर इस पीड़ा को झेलो। और यदि ये पाँच करोड़ लोग दिन में आठ घंटा काम करना शुरू कर देते हैं तो एक बड़ी क्रांति घट सकती है। उन्हें अपने भोजन, अपने कप? या अपने मकान के लिए काम करने की तो अब जरूरत नहीं है, लेकिन वे उन लोगों के लिए काम कर सकते हैं जिन्हें भोजन चाहिए, दवाइयाँ चाहिए, जरूरत की और चीजें चाहिए। यदि पाँच करोड़ लोग आठ घंटा रोज गरीबों के लिए काम करने लगें तो समाज का पूरा वातावरण बदल जाएगा। वर्गों के बीच की जो लड़ाई है, जो संघर्ष है वह समाप्त हो जाएगा, क्योंकि फिर कोई वर्ग ही न रहेंगे। और यह समस्या रोज बड़ी होती जाने वाली है, क्योंकि हर जगह मशीनें आदमी की जगह ले रही हैं। मशीनें ज्यादा कुशल, ज्यादा आज्ञाकारी हैं; मशीनों को कोई छुट्टी भी नहीं चाहिए। मशीनें कॉफी-ब्रेक भी नहीं माँगतीं। और एक मशीन सौ लोगों का या हजार लोगों का काम कर सकती है। तो जल्दी ही संसार मुश्किल में पड़ने वाला है; आने वाले दिनों में अनिद्रा सबसे बड़ी समस्या होगी, क्योंकि जब सब काम मशीनें संभाल लेंगी तो आदमी खाली हो जाएगा। उसे काम न करने की तनख्वाह मिलेगी। तो मैं इसे कोई बीमारी नहीं गिनता, इसे किसी बीमारी में मत गिनो। जगह-जगह ऐसे लोगों के लिए विशेष ध्यान केंद्र होने चाहिए, जो अनिद्रा से पीड़ित हैं। ध्यान उन्हें शिथिल होने में सहयोगी होगा। और जब वे ध्यान करें तो उन्हें यह बता दिया जाना चाहिए कि केवल ध्यान से काम नहीं चलेगा, वह उपचार का केवल आधा हिस्सा है। तुम्हें शारीरिक श्रम भी करना पड़ेगा। और मेरा मानना है कि जो लोग अनिद्रा से पीड़ित हैं, वे कुछ भी करने को तैयार होंगे। और कड़े श्रम की अपनी खूबसूरती है। लकड़ी काटते हुए तुम पसीना-पसीना हो जाओ और अचानक ठंडी हवा तुम्हारे शरीर से टकराए... शरीर में ऐसी प्यारी अनुभूति होगी कि जो व्यक्ति परिश्रम नहीं करता वह उसे समझ भी नहीं सकता। गरीब आदमी के भी अपने ऐश्वर्य हैं। केवल वही उनके बारे में जानता है।

दी पाथ ऑफ दी मिस्टिक
ओशो

भारत की जनगणना-2027, दो चरणों में होगी जाति गणना

गजब हरियाणा न्यूज
दिल्ली। भारत सरकार ने आगामी 2027 में होने वाली जनसंख्या जनगणना को दो चरणों में आयोजित करने का निर्णय लिया है। इस बार के विशेष पहलू में जातियों की गणना भी शामिल की जाएगी, जिसे भारतीय जनगणना के इतिहास में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

जनगणना का आयोजन 2011 के मॉडल के अनुसार किया जाएगा, जिसमें दो मुख्य चरणों में इसे संपन्न किया जाएगा, निम्नलिखित योजना के मुताबिकः

1.पहला चरणः 1 अक्टूबर, 2026 से यह चरण जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और लद्दाख के पहाड़ी और बर्फीले इलाकों में लागू होगा।

2.दूसरा चरणः 1 मार्च, 2027 से देश के अन्य हिस्सों में जनगणना का कार्य किया जाएगा।

सरकार द्वारा जनगणना कराने के लिए आधिकारिक अधिसूचना इस महीने की 16 तारीख को राजपत्र में प्रकाशित की जाएगी, जिससे इस प्रक्रिया का शुभारंभ होगा।

यह ध्यान देने योग्य है कि 2021 में होने वाली जनगणना भी इस तरह की दो चरणों में आयोजित करने की योजना के तहत थी, लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था। ऐसे में 2027 की जनगणना प्रशासन और जनसांख्यिकीय आंकड़ों के लिए एक बड़ी आवश्यकता बन गई है।

भारतीय जनगणना विश्व में सबसे बड़ी प्रशासनिक गतिविधियों में से एक मानी जाती है। यह देश की जनसांख्यिकीय, आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक स्थिति को स्पष्ट रूप से दर्शाती है। इसके आंकड़े विभिन्न विकास योजनाओं और नीतियों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

आर्थिक योजनाएंः जनगणना के आंकड़े विकास योजनाओं के सही निर्धारण में सहायक होते हैं।

सामाजिक नीतिः यह सामाजिक न्याय और समावेशिता की दिशा में नीतियों को समझने में मदद करता है।

जनसंख्या अध्ययनः इसके माध्यम से जनसंख्या व सामाजिक संरचना के सही आंकड़े प्राप्त होते हैं।

भारत की जनगणना-2027 न केवल एक सांख्यिकीय गतिविधि है, बल्कि यह एक कुशल नीति निर्धारण और विकास के लिए भी एक महत्वपूर्ण अवसर है। जाति गणना के लिए इस मोड़ के साथ, सरकार को देश की विविधता और विभिन्न समुदायों के विकास के लिए राजनैतिक और सामाजिक दृष्टिकोण से बेहतर योजनाएं बनाने का मौका मिलेगा। इस जनगणना का निष्कर्ष देश के भविष्य के लिए एक मजबूत आधार तैयार करेगा।

चंद्रशेखर आजाद और स्वामी प्रसाद मौर्य की अहम मुलाकात

गजब हरियाणा न्यूज/डॉ जरनैल रंगा
लखनऊ । उत्तर प्रदेश की राजनीति में हालिया हलचल के बीच, आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद ने प्रमुख दलित नेता स्वामी प्रसाद मौर्य के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। यह मुलाकात लखनऊ में एक निजी स्थान पर हुई, जो करीब एक घंटे तक चली। दोनों नेताओं ने सामाजिक न्याय, दलित और पिछड़े वर्गों की एकता तथा उत्तर प्रदेश की राजनीतिक स्थिति पर गहन चर्चा की।

सूत्रों के अनुसार, स्वामी प्रसाद मौर्य जल्द ही आजाद समाज पार्टी में शामिल हो सकते हैं। इस संभावित गठबंधन को 2026 पंचायत चुनाव और 2027 विधानसभा चुनावों के संदर्भ में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पार्टी नेतृत्व मौर्य को राज्य में एक प्रमुख जिम्मेदारी देने की योजना बना रहा है, जिससे पार्टी का जनाधार और भी मजबूत हो सके।

इस बीच, बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की नेता मायावती ने चंद्रशेखर आजाद पर हमले तेज कर दिए हैं। उन्होंने हाल ही में चंद्रशेखर को बरसाती मेंढक शब्द से संबोधित किया और कहा कि उत्तर प्रदेश में केवल बीएसपी ही एकमात्र अंबेडकरवादी पार्टी है। मायावती ने आरोप लगाते हुए कहा कि अन्य दलित संगठनों और पार्टियों को सक्रिय कर, दलितों को गुमराह करने की कोशिश की जा रही है।

चंद्रशेखर आजाद और स्वामी प्रसाद मौर्य के बीच यह मुलाकात उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक संभावित नए मोड़ को दर्शाती है। आने वाले दिनों में इस गठबंधन की औपचारिक घोषणा और उसके प्रभाव पर ध्यान केंद्रित रहेगा, खासकर आगामी चुनावों के संदर्भ में।

जीव अल्पज्ञ है सतगरु सर्वज्ञः महामंडलेश्वर

धन्य है वे लोग जो परीक्षा, चुनौतीपूर्ण कसौटी की घड़ी में भी स्थिर रहते हैंः संत शिरोमणि

गजब हरियाणा न्यूज/ डॉ जरनैल रंगा
कानपुर (लुधौरी) उत्तर प्रदेश । पूजनीय महात्मा शिवपाल, कुलदीप, देवीदीन और ज्ञान ज्योति वंदना की रहनुमाई मे विशाल संत सम्मेलन और अटूट भंडारे का आयोजन किया गया। मंच का संचालन ज्ञान ज्योति सरस्वती ने बहुत ही सुचारु ढंग से किया। नारायणगढ(अंबाला) हरियाणा से धर्म संस्कृति ज्ञान प्रचार-प्रसार यात्रा के दौरान शुभ आशीष और मंगल कामनाए देने के लिए आए परमश्रद्धेय ÷संत शिरोमणी ÷ दिव्य ज्ञान रत्न, श्री श्री1008 महामंडलेश्वर सतगुरु स्वामी ज्ञान नाथ जी महाराज, गद्दीनशीन चेयरमैन निराकारी जागृति मिशन, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष,संत सुरक्षा मिशन भारत और चेयरमैन, संत संवारनाथ चैरिटेबल ट्रस्ट ने दूर-दराज से आए श्रद्धालुओ को रुहानी प्रवचनों से निहाल करते हुए फरमाया की जीव अल्पज्ञ है सतगरु सर्वज्ञ है। जीव सीमित है और सतगुरु असीमित है। जीव मन बुद्धि के अधीन है परंतु सतगुरु इन सबसे पार एंव परे हर तरह से अपने आप मे स्वतंत्र और सबकुछ करने मे समरथ है। है। जब सतगुरु मेहरबान होता है तो अंसभव भी हो जाता है और जब सतगुरु की कोप दृष्टि हो जाती है तो

लौकिक और अलौकिक जीवन बिगड़ जाता है। हमेशा सतगुरु की रजा मे रहो। स्वामी जी ने कहा कि धन्य है वह लोग जो परीक्षा, चुनौतीपूर्ण कसौटी की घड़ी में भी स्थिर रहते हैं क्योंकि हर शिक्षा और दीक्षा के बाद में परीक्षा होती है। बिना परीक्षा के शिक्षा और दीक्षा के महत्व का सही पता नहीं चलता। परीक्षाओं से जीवन में निखार आता है। संत शिरोमणी दिव्य ज्ञान रत्न महामंडलेश्वर स्वामी ज्ञान नाथ जी महाराज ने कहा कि सब इंद्रियों का प्रेरक आत्मा है कानों का कान, मन का मन, वाणी की वाणी, प्राणों का प्राण, आंखों की आंख, श्रोता और दृष्टा आत्मा है। इंद्रियां तो केवल साधन है देखने, सुनने, जानने वाला तो आत्मा स्वयं है। आत्मा वाणी की सीमा से परे है। ईर्ष्या, द्वेष के बराबर कोई पाप नहीं है। क्षमा और दया के बराबर कोई तपस्या और सत्कर्म नहींस्मरण जितना सघन होगा समर्पण उतना ही तीव्र होगा और चेतना के नए-नए आयाम खुलेंगे, अपने आप की शुद्धि, मानसिक संतुलन, व्यवहार में श्रेष्ठता अपने आप ही आ जाएगी। सद्गुरु के प्रति मन, वचन और कर्म से पूर्ण समर्पण और शरणागत भाव से आत्म विकास होगा,विवेक और ज्ञान से अंतर्दृष्टि जागृत होगी, जीवन का अंदर-बाहर से रुपांतरण होगा, दृष्टि और दृष्टिकोण बदलेगा और जीवन की दशा और दिशा मे सुधार होगा। अखिल ब्रह्मांड मे व्याप्त करने वाला और व्याप्त होने वाला यह जय श्री प्रियतम निर्गुण निराकार एंव सर्वाधार परमात्मा स्वय है। जहां आप है वहीं पर परमातमा है।

शिक्षा 10+2 (बारहवीं) के बाद क्या करें छात्र?

10+2 (बारहवीं) के बाद छात्रों के लिए करियर के कई रास्ते खुल जाते हैं। सही कोर्स का चुनाव छात्र की रुचि, क्षमता और भविष्य के लक्ष्यों पर निर्भर करता है। यहाँ विभिन्न स्ट्रीम्स के छात्रों के लिए कुछ प्रमुख कोर्स विकल्पों का विस्तृत विवरण दिया गया हैः

1. विज्ञान (स्धद्दद्दठ्ठद्ध) स्ट्रीम के छात्रों के लिएः

विज्ञान स्ट्रीम के छात्रों के पास सबसे विविध विकल्प होते हैं। इसे दो मुख्य उप-वर्गों में बांटा जा सकता हैः

- PCM (भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित) वाले छात्रों के लिएः
- इंजीनियरिंग (B.Tech/B.E.)ः यह सबसे लोकप्रिय विकल्पों में से एक है। इसमें कई विशेषज्ञताएं (Specializations) शामिल हैं जैसेः

कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग (CSE)ः सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, डेटा साइंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग में रुचि रखने वालों के लिए।

मैकेनिकल इंजीनियरिंगः मशीनों के डिजाइन, निर्माण और रखरखाव से संबंधित।

सिविल इंजीनियरिंगः इंफ्रास्ट्रक्चर (सड़क, पुल, इमारतें) के निर्माण से संबंधित।

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंगः बिजली और इलेक्ट्रॉनिक्स प्रणालियों से संबंधित।

इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग (ECE)ः दूरसंचार और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के डिजाइन से संबंधित।

एयरोस्पेस/एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंगः विमान और अंतरिक्ष यान के डिजाइन और निर्माण से संबंधित।

केमिकल इंजीनियरिंगः रासायनिक प्रक्रियाओं और उत्पादों के निर्माण से संबंधित।

बैचलर ऑफ साइंस (B.Sc)ः यह एक सामान्य डिग्री कोर्स है जिसमें छात्र अपनी रुचि के अनुसार विषय चुन सकते हैं जैसेः

B.Sc. गणित
B.Sc. भौतिकी
B.Sc. रसायन विज्ञान
B.Sc. कंप्यूटर साइंस/आईटी
B.Sc. सांख्यिकी

बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन (BCA)ः उन छात्रों के लिए जो सॉफ्टवेयर और आईटी क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं।

बैचलर ऑफ आर्किटेक्चर (B.Arch)ः 5 वर्षीय कोर्स जिसमें इमारतों के डिजाइन और योजना का अध्ययन किया जाता है।

मर्चेंट नेवी (B.Sc. Nautical Science)ः नौवहन और समुद्री व्यापार में रुचि रखने वालों के लिए।

डिफेंस सर्विसेज (NDA)- राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के माध्यम से सेना, नौसेना या वायुसेना में शामिल होने का अवसर।

PCB (भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान) वाले छात्रों के लिए

चिकित्सा (Medical)

MBBS (बैचलर ऑफ मेडिसिन, बैचलर ऑफ सर्जरी)ः डॉक्टर बनने के लिए सबसे प्रतिष्ठित कोर्स।

BDS (बैचलर ऑफ डेंटल सर्जरी)ः दंत चिकित्सा के क्षेत्र में।

BAMS (बैचलर ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन एंड सर्जरी)ः आयुर्वेद में करियर बनाने के लिए।

BHMS (बैचलर ऑफ होम्योपैथिक मेडिसिन एंड सर्जरी)ः होम्योपैथी में करियर बनाने के लिए।

पैरामेडिकल कोर्सेजः

B.Sc. नर्सिंगः नर्सिंग के क्षेत्र में।

BPT (बैचलर ऑफ फिजियोथेरेपी)ः शारीरिक समस्याओं के उपचार में।

B.Pharm (बैचलर ऑफ फार्मेसी)ः दवाओं के निर्माण और वितरण से संबंधित।

B.Sc. इन बायोटेक्नोलॉजी/ माइक्रोबायोलॉजी/ बायोकेमिस्ट्रीः जीव विज्ञान के उन्नत क्षेत्रों में अनुसंधान और विकास के लिए।

B.Sc. एग्रीकल्चरः कृषि विज्ञान में रुचि रखने वालों के लिए।

B.Sc. फॉरेंसिक साइंसः अपराध जांच और फोरेंसिक विश्लेषण के क्षेत्र में।

B.Sc. न्यूट्रिशन एंड डाइटेटिक्सः पोषण और आहार विज्ञान के क्षेत्र में।

PCMB (भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित, जीव विज्ञान) वाले छात्रों के लिएः ये छात्र PCM और PCB दोनों के कोर्सेज को चुन सकते हैं, जिससे उनके विकल्प और भी बढ़ जाते हैं। उदाहरण के लिए, वे बायोमेडिकल इंजीनियरिंग या कृषि विज्ञान जैसे कोर्स चुन सकते हैं।

2. वाणिज्य (Commerce) स्ट्रीम के छात्रों के लिएः

कॉमर्स के छात्रों के लिए वित्तीय और प्रबंधन के क्षेत्र में कई करियर विकल्प उपलब्ध हैंः

ज़ बैचलर ऑफ कॉमर्स (B.Com)ः सबसे आम और बहुमुखी कोर्स। इसमें लेखा, वित्त, अर्थशास्त्र, व्यवसाय कानून और कराधान जैसे विषय शामिल होते हैं।

B.Com (Hons)ः अधिक गहन अध्ययन के लिए।

B.Com विशेषीकरण (Specializations)ः जैसे B.Com इन फाइनेंस, B.Com इन बैंकिंग एंड इंश्योरेंस, B.Com इन मार्केटिंग।

बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (BBA)ः व्यवसाय प्रबंधन के सिद्धांतों और व्यवहारों को समझने के लिए एक अच्छा विकल्प। यह आगे MBA करने का मार्ग प्रशस्त करता है।

चार्टर्ड अकाउंटेंसी - एक पेशेवर योग्यता जो लेखापरीक्षा और कराधान में करियर बनाती है। यह एक चुनौतीपूर्ण लेकिन उच्च-भुगतान वाला करियर है।

कंपनी सेक्रेटरी - कॉर्पोरेट कानून और प्रशासन पर केंद्रित एक पेशेवर कोर्स।

कॉस्ट एंड मैनेजमेंट अकाउंटेंसी- लागत लेखांकन और प्रबंधन में विशेषज्ञता।

बैचलर ऑफ इकोनॉमिक्स (B.Econ/B.Sc. Economics)ः आर्थिक नीतियों और बाजार के रुझानों में रुचि रखने वालों के लिए।

बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन -यदि वाणिज्य के छात्र को गणित में अच्छी पकड़ है और वह आईटी में रुचि रखता है।

इवेंट मैनेजमेंट- इवेंट्स के आयोजन और प्रबंधन में करियर।

डिजिटल मार्केटिंग- ऑनलाइन विज्ञापन, सोशल मीडिया प्रबंधन और डेटा एनालिटिक्स में कौशल।

3. कला (Arts/Humanities) स्ट्रीम के छात्रों के लिएः

कला स्ट्रीम के छात्रों के लिए रचनात्मकता, सामाजिक विज्ञान और मानविकी में कई आकर्षक विकल्प हैंः

ज़ बैचलर ऑफ आर्ट्स- यह एक विस्तृत डिग्री है जिसमें कई विशेषज्ञताएं (Specializations) उपलब्ध हैं जैसेः

अंग्रेजी/हिंदी/अन्य भाषाएँ

इतिहास, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, मनोविज्ञान, अर्थशास्त्र, पत्रकारिता और जनसंचार, ललित कला (BF)

बैचलर ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन (BJMC)ः मीडिया, पत्रकारिता, विज्ञापन और जनसंपर्क में रुचि रखने वालों के लिए।

बैचलर ऑफ सोशल वर्क (BSW)ः सामाजिक कल्याण, सामुदायिक विकास और सामाजिक न्याय के क्षेत्र में करियर बनाने के लिए।

बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स (BFA)ः पेंटिंग, मूर्तिकला, संगीत, नृत्य, नाटक और अन्य ललित कलाओं में करियर।

बैचलर ऑफ डिजाइन (B.Des)ः फैशन डिजाइन, इंटीरियर डिजाइन, ग्राफिक डिजाइन, UI/UX डिजाइन जैसे क्षेत्रों में।

बैचलर ऑफ होटल मैनेजमेंट- आतिथ्य उद्योग में करियर के लिए।

एकीकृत कानून कोर्स -कानून में करियर बनाने के लिए 5 वर्षीय एकीकृत कोर्स।

एनिमेशन और मल्टीमीडियाः 2ष्ठ/3ष्ठ एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेम डिजाइन में करियर।

इवेंट मैनेजमेंटः इवेंट्स की योजना और निष्पादन में करियर।

फोटोग्राफीः पेशेवर फोटोग्राफी में रुचि रखने वालों के लिए।

विदेशी भाषा में सर्टिफिकेट/डिप्लोमाः अनुवाद, पर्यटन, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार जैसे क्षेत्रों में अवसर।

सही कोर्स कैसे चुनें?

रुचि और जुनूनः सबसे पहले यह देखें कि आपको किस विषय या क्षेत्र में सबसे अधिक रुचि है। जिस काम को आप पसंद करते हैं, उसे करने में आप बेहतर प्रदर्शन कर पाएंगे।

क्षमताएं और कौशलः अपनी ताकत और कमजोरियों का आकलन करें। क्या आप गणित में अच्छे हैं? क्या आप रचनात्मक हैं? क्या आप लोगों के साथ बातचीत करने में माहिर हैं?

भविष्य की संभावनाएंः संबंधित कोर्स के बाद उपलब्ध करियर विकल्पों और उनकी रोजगार क्षमता पर शोध करें।

कॉलेज और विश्वविद्यालयः विभिन्न कॉलेजों और विश्वविद्यालयों द्वारा प्रस्तावित कोर्स, उनकी फैकल्टी, प्लेसमेंट रिकॉर्ड और फीस संरचना की तुलना करें। शिक्षकों, करियर काउंसलर, अभिभावकों और उस क्षेत्र में काम कर रहे पेशेवरों से सलाह लें जिसमें आप रुचि रखते हैं।

प्रवेश परीक्षाः कई प्रमुख कोर्सेज के लिए प्रवेश परीक्षाएँ (जैसे JEE, NEET, CLAT, NIFT, NID) होती हैं। इन परीक्षाओं की तैयारी समय पर शुरू करें। याद रखें, 10+2 के बाद सही निर्णय आपके भविष्य की नींव रखता है। इसलिए, जल्दबाजी करने के बजाय, पूरी जानकारी इकट्ठा करें।

आभार

राष्ट्रीय समाचार पत्र गजब हरियाणा के सातवें स्थापना दिवस और दैनिक के शुभारंभ के उपलक्ष्य में विशेषांक निकालने में सहयोग करने वाले विज्ञापनदाताओं का आभार और उम्मीद करता हूं कि हमें आपका सहयोग हमेशा मिलता रहेगा। गजब हरियाणा समाचार पत्र 7 वर्षों से संघर्षपूर्ण कार्य करते हुए सफलतापूर्वक प्रकाशित हो रहा है जिसमें आप सब बधाई के पात्र हैं। डॉ. जरनैल सिंह रंगा, संपादक

कार्यालयः सामने बस अड्डा, पिपली (करुक्षेत्र) सब-ऑफिस, गुरुद्वारा, मार्कीट, करनाल रोड, इंद्री (करनाल) गजब हरियाणा से जुड़ने के लिए संपर्क करें, मो. 91382-03233, 9991610843
अधिक जानकारी के लिए देखें हमारीः
वेबसाइटः www.gajabharyana.com
फेसबुकः @gajabharyananews
फेसबुक : @gajabharyana
इंटाग्रामः @gajabharyana
ब्लॉगर : gajabharyananews.com
यूट्यूबः gajabharyananews
नोटः गजब हरियाणा में समाचार व विज्ञापन देने के लिए हरियाणा के समस्त जिलों के ब्यूरो चीफ/पत्रकारों व हमारे प्रतिनिधियों से भी संपर्क कर सकते हैं।

रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया(अठावले)
गजब हरियाणा राष्ट्रीय समाचार पत्र
की 7 वीं वर्षगांठ एवं दैनिक प्रकाशन के शुभारंभ पर गजब हरियाणा के संपादक डॉ. जरनैल सिंह रंगा और उनकी पूरी टीम को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई
ऐडवोकेट रवि (सोनू) कुंडली
प्रदेश अध्यक्ष हरियाणा

गजब हरियाणा राष्ट्रीय समाचार पत्र
की 7 वीं वर्षगांठ एवं दैनिक प्रकाशन के शुभारंभ पर गजब हरियाणा के संपादक डॉ. जरनैल सिंह रंगा और उनकी पूरी टीम को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई
गुलजार सिंह
इंस्पेक्टर (से.नि.) हरियाणा पुलिस

गजब हरियाणा राष्ट्रीय समाचार पत्र
की 7 वीं वर्षगांठ एवं दैनिक प्रकाशन के शुभारंभ पर गजब हरियाणा की पूरी टीम को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई
सुविधा प्रॉपर्टी
रामकुमार राहुल नजदीक सर्किट हाउस कुरूक्षेत्र

गजब हरियाणा राष्ट्रीय समाचार पत्र
की 7 वीं वर्षगांठ एवं दैनिक प्रकाशन के शुभारंभ पर गजब हरियाणा की पूरी टीम को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई
कुरूक्षेत्रा ट्रैवल्स(रजि.) अम्बाला नीटी रोड, पिपली, कुरूक्षेत्र
चेयरमैन गुरदयाल सिंह
विवाह, पिकनिक, यात्रा के लिए एसी, नॉन एसी बस, कार व टैम्पो किराए पर मिलते हैं।
9354101068, 870887939

गजब हरियाणा राष्ट्रीय समाचार पत्र
की 7वीं वर्षगांठ एवं दैनिक प्रकाशन के शुभारंभ पर गजब हरियाणा के संपादक डॉ. जरनैल सिंह रंगा और उनकी पूरी टीम को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई
बीर सिंह बिहोली
समाजसेवी, प्रिंस टैंट हाउस एंड प्रिंस कैटरर्स पिपली

गजब हरियाणा
राष्ट्रीय समाचार पत्र
की 7 वीं वर्षगांठ एवं दैनिक प्रकाशन के शुभारंभ पर गजब हरियाणा के संपादक डॉ. जरनैल सिंह रंगा और उनकी पूरी टीम को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई
गुरप्रीत सिंह नंबरदार
समाजसेवी एवं सदस्य, भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी

गजब हरियाणा
राष्ट्रीय समाचार पत्र
की 7 वीं वर्षगांठ एवं दैनिक प्रकाशन के शुभारंभ पर गजब हरियाणा के संपादक डॉ. जरनैल सिंह रंगा और उनकी पूरी टीम को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई
वीरेन्द्र रॉय
समाजसेवी

गजब हरियाणा राष्ट्रीय समाचार पत्र
की 7 वीं वर्षगांठ एवं दैनिक प्रकाशन के शुभारंभ पर गजब हरियाणा के संपादक डॉ. जरनैल सिंह रंगा और उनकी पूरी टीम को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई
जिले सिंह सभरवाल एडवोकेट पूर्व बैंक अधिकारी

गजब हरियाणा
की 7 वीं वर्षगांठ एवं दैनिक प्रकाशन के शुभारंभ पर गजब हरियाणा के संपादक डॉ. जरनैल सिंह रंगा और उनकी पूरी टीम को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई
बी. के. भाष्कर
समाजसेवी एवं पूर्व मुख्य शाखा प्रबंधक पीएनबी

गरीब व असहाय बेटियों की शिक्षा के लिए सदैव समर्पित
महात्मा ज्योतिबा फुले शिक्षा विकास ट्रस्ट (रजि.)
गजब हरियाणा राष्ट्रीय समाचार पत्र
की 7 वीं वर्षगांठ एवं दैनिक प्रकाशन के शुभारंभ पर गजब हरियाणा के संपादक डॉ. जरनैल सिंह रंगा और उनकी पूरी टीम को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई
मिहा सिंह रंगा
चेयरमैन एवं समाजसेवी
स्वीटी रंगा
महिला प्रदेशाध्यक्ष

गजब हरियाणा राष्ट्रीय समाचार पत्र
की 7 वीं वर्षगांठ एवं दैनिक प्रकाशन के शुभारंभ पर गजब हरियाणा के संपादक डॉ. जरनैल सिंह रंगा और उनकी पूरी टीम को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई
जय भगवान बौद्ध
महासचिव, एसबीआई एससी/एसटी कर्मचारी कल्याण एसोसिएशन,दिल्ली सर्कल
मुख्य संपर्क सचिव , अखिल भारतीय स्टेट बैंक एससी/एसटी एवं बौद्ध कर्मचारी महासंघ

गजब हरियाणा
राष्ट्रीय समाचार पत्र
की 7 वीं वर्षगांठ एवं दैनिक प्रकाशन के शुभारंभ पर गजब हरियाणा के संपादक डॉ. जरनैल सिंह रंगा और उनकी पूरी टीम को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई
बलविन्द्र सिंह, प्रिंसिपल
के डी कॉन्वेंट स्कूल अमीन, कुरुक्षेत्र
MA English, MA History, B.ed, D.ed, LLB

गजब हरियाणा
राष्ट्रीय समाचार पत्र
की 7 वीं वर्षगांठ एवं दैनिक प्रकाशन के शुभारंभ पर गजब हरियाणा के संपादक डॉ. जरनैल सिंह रंगा और उनकी पूरी टीम को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई
महीपाल फुले अमीन
समाजसेवी

गजब हरियाणा राष्ट्रीय समाचार पत्र
की 7 वीं वर्षगांठ एवं दैनिक प्रकाशन के शुभारंभ पर गजब हरियाणा के संपादक डॉ. जरनैल सिंह रंगा और उनकी पूरी टीम को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई
सुरेन्द्र कुमार नन्हेड़ा
समाजसेवी

गजब हरियाणा राष्ट्रीय समाचार पत्र
की 7 वीं वर्षगांठ एवं दैनिक प्रकाशन के शुभारंभ पर गजब हरियाणा के संपादक डॉ. जरनैल सिंह रंगा और उनकी पूरी टीम को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई
डॉ. राजवीर सिंह
पूर्व अध्यक्ष, शिक्षा विभाग
कुरुक्षेत्रा यूनिवर्सिटी, कुरुक्षेत्र

गजब हरियाणा राष्ट्रीय समाचार पत्र
की 7 वीं वर्षगांठ एवं दैनिक प्रकाशन के शुभारंभ पर गजब हरियाणा के संपादक डॉ. जरनैल सिंह रंगा और उनकी पूरी टीम को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई
के.एस. मेहरा
समाजसेवी एवं ए.जी.एम.(से.नि.) स्टेट बैंक ऑफ इंडिया

गजब हरियाणा समाचार पत्र परिवार
डॉ. आरआर फूलिया
पूर्व एसीएस एवं आईएएस (रिटा.), वाइस चांसलर गुरु जंभेश्वर यूनिवर्सिटी हिसार एवं ताऊ देवी लाल यूनिवर्सिटी सिरसा
एनआर फूले
डिप्टी एक्साइज एंड टैक्सेशन कमीशनर(जीएसटी)
बनारसी दास
पूर्व बैंक अधिकारी एवं समाजसेवी
डॉ. जरनैल सिंह रंगा
संपादक
नरेन्द्र धूमसी
सह संपादक
सुदेश कुमारी
स्टेट हैड
सुखबीर कुमार
पत्रकार यमुनानगर
रविन्द्र कुमार
पत्रकार पिपली कुरूक्षेत्र
अमित बंसल
पत्रकार घरौंडा
संजीव बंसल
वरिष्ठ पत्रकार एंव सहयोगी
बी.के. भाष्कर
समाजसेवी एवं पूर्व मुख्य शाखा प्रबंधक पीएनबी
लखमी चंद रंगा
उप मंडल अभियंता(से.नि.) भारत संचार निगम लिमिटेड
महीपाल फूले अमीन
समाजसेवी
जसमेर सोलखे
सीनियर एडवोकेट
जिले सिंह सभरवाल
एडवोकेट
कुलवंत सिंह
एडवोकेट

गजब हरियाणा राष्ट्रीय समाचार पत्र

की 7 वीं वर्षगांठ एवं दैनिक प्रकाशन के शुभारंभ पर गजब हरियाणा के संपादक डॉ. जरनैल सिंह रंगा और उनकी पूरी टीम को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई

संत शिरोमणि, दिव्य ज्ञान रत्न, श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर स्वामी ज्ञाननाथ जी एडवोकेट

गद्दीनशीन व राष्ट्रीय अध्यक्ष निराकारी जागृति मिशन,भारत
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, संत सुरक्षा मिशन, खतौली, अम्बाला।
चेयरमैन, संत संवारनाथ चैरिटेबल ट्रस्ट बाहरी, कुरुक्षेत्र।

गजब हरियाणा राष्ट्रीय समाचार पत्र

की 7 वीं वर्षगांठ एवं दैनिक प्रकाशन के शुभारंभ पर गजब हरियाणा के संपादक डॉ. जरनैल सिंह रंगा और उनकी पूरी टीम को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई

7 YEARS

मांगे राम सरोहा
डीजीएम, हैफेड विभाग

गजब हरियाणा राष्ट्रीय समाचार पत्र

7 YEARS

की 7 वीं वर्षगांठ एवं दैनिक प्रकाशन के शुभारंभ पर गजब हरियाणा के संपादक डॉ. जरनैल सिंह रंगा और उनकी पूरी टीम को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई

ईगल ग्रुप प्रॉपर्टी एडवाइजर
Eagle Group Property Advisor

पवन लोहारा (हुड्डा एक्सपर्ट)
हर प्रकार की प्रॉपर्टी खरीदने व बेचने के लिए संपर्क करें
1258, सैक्टर-4, नजदीक हुड्डा ऑफिस, जिंदल चौक, कुरुक्षेत्र 9992680513,9813680513

गजब हरियाणा राष्ट्रीय समाचार पत्र

7 YEARS

की 7 वीं वर्षगांठ एवं दैनिक प्रकाशन के शुभारंभ पर गजब हरियाणा के संपादक डॉ. जरनैल सिंह रंगा और उनकी पूरी टीम को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई

धर्मपाल भाटिया
पूर्व उपाध्यक्ष, ब्लॉक कांग्रेस बाबैन

गजब हरियाणा राष्ट्रीय समाचार पत्र

की 7 वीं वर्षगांठ एवं दैनिक प्रकाशन के शुभारंभ पर गजब हरियाणा के संपादक डॉ. जरनैल सिंह रंगा और उनकी पूरी टीम को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई

7 YEARS

रमेश चन्द गौतम
मुख्याध्यापक (से.नि.)

गजब हरियाणा राष्ट्रीय समाचार पत्र

की 7 वीं वर्षगांठ एवं दैनिक प्रकाशन के शुभारंभ पर गजब हरियाणा के संपादक डॉ. जरनैल सिंह रंगा और उनकी पूरी टीम को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई

7 YEARS

रतन सिंह

सरपंच नलवी खुर्द
प्रधान ब्लॉक कुंजपुरा सरपंच यूनियन,
जिला प्रधान सरपंच यूनियन करनाल,
पूर्व डायरेक्टर सहकारी शुगरमिल करनाल,
पूर्व डायरेक्टर गन्ना समिति इंद्री

गजब हरियाणा राष्ट्रीय समाचार पत्र

की 7 वीं वर्षगांठ एवं दैनिक प्रकाशन के शुभारंभ पर गजब हरियाणा के संपादक डॉ जरनैल सिंह रंगा और उनकी पूरी टीम को शुभकामनाएं एवं बधाई।

7 YEARS

मान्यवर रामकरण
ब्लॉक शिक्षा अधिकारी (से.नि.)

गजब हरियाणा राष्ट्रीय समाचार पत्र

LIC भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA
जीवन के साथ भी, जीवन के बाद भी जीवन बीमा, जीवन का आधार

की 7 वीं वर्षगांठ एवं दैनिक प्रकाशन के शुभारंभ पर गजब हरियाणा के संपादक डॉ जरनैल सिंह रंगा और उनकी पूरी टीम को शुभकामनाएं एवं बधाई।

सुनीता
समाजसेविका एवं बीमा सखी
भारतीय जीवन बीमा निगम

गजब हरियाणा राष्ट्रीय समाचार पत्र

की 7 वीं वर्षगांठ एवं दैनिक प्रकाशन के शुभारंभ पर गजब हरियाणा के संपादक डॉ जरनैल सिंह रंगा और उनकी पूरी टीम को शुभकामनाएं एवं बधाई।

गुरदास सिंह सोनू
सरपंच, ग्राम पंचायत
झिंझरपुर, खंड थानेसर, कुरुक्षेत्र

जी हां... सपनो का आशियाना..

अब घर बनाने का सपना हुआ है पूरा. धर्मनगरी कुरुक्षेत्र में
गांव उमरी में

City Associates

राष्ट्रीय राजमार्ग (G.T. Road) से 500 मीटर की दूरी पर

सुविधाएं:
- विकसित गांव के बीच उमरी में
- कॉलोनी के बीचों-बीच:
- पक्का रास्ता
- बिजली / पीने का पानी
- पानी की टंकी व पानी की निकासी
- प्रदुषण रहीत रिहायशी कालौनी के बीचो-बीच

नज़दीक ही:
- अस्पताल
- स्कूल (लड़कियों व लड़कों के लिए अलग)
- बैंक
- पोस्ट ऑफिस
- बाजार व मार्केट

सिर्फ 9000/- रुपये प्रति गज के रेट मे

(कुछ ही प्लाट शेष)

City Associates
cityassociateskkr@gmail.com
www.cityassociateskkr.com
+91-9350351001
+91-9350381001
KDB Road, Opp. Circuit House Kurukshetra - 136118

DR. B.R AMBEDKAR INSTITUTE OF PHARMACY

START YOUR CAREER IN PHARMACY

D.PHARMA
Diploma in pharmacy

Why Choose Us?
- Safe and secure environment for all students
- Personalized attention to every learner
- Extracurricular activities for all-round growth
- Affordable fee structure with scholarships available

FOLLOW US

drambedkarpharmacycollege.com
Brambedkarpharmacy2022@gmail.com

Admission Open For 2025

9315887058
Mathana-Kadhami Road, VPO-Mathana, Kurukshetra-136131, Haryana

---

गजब हरियाणा
राष्ट्रीय समाचार पत्र

7 YEARS

की 7 वीं वर्षगांठ एवं दैनिक प्रकाशन के शुभारंभ पर गजब हरियाणा के संपादक डॉ. जरनैल सिंह रंगा और उनकी पूरी टीम को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई

मुकेश मेहरा
9817099601, 8814956827

मेहरा प्रॉपर्टीज

रिहायशी प्लॉट, कॉमर्शियल, एग्रीकल्चर व सभी प्रकार की जमीन जायदाद खरीदने के लिए संपर्क करें

ansal API
Building Lifestyles since 1967

THE FLOWER CITY
Sec-32, NH-44, Kurukshetra

SHREE VARDHMAN
Committed to deliver a better way of life

JINDAL GLOBAL CITY

प्रकाशक, सम्पादक व मुद्रक जरनैल सिंह द्वारा ढिंगरा प्रिंटिंग प्रैस, अग्रसैन चौक, मोहननगर, कुरुक्षेत्र से छपवाकर कार्यालय गजब हरियाणा कोठी न.890 पी, सेक्टर- 4, अर्बन इस्टेट कुरुक्षेत्र जिला कुरुक्षेत्र, हरियाणा से प्रकाशित व मुद्रक किया।
संपादक जरनैल सिंह (9138203233) RNI No. R/HIN/2018/77311